बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

अग्नि पुरुष

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Lazarus
रूपान्तरकार: E. Frischbutter
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

सब कुछ इस्राएल के लिए बुरा लग रहा था। राजा और रानियाँ परमेश्वर से नफरत करते थे। यह एक बुरा उदाहरण है! जल्द ही लोगों ने भी परमेश्वर से नफरत करना शुरू कर दिया और झूठे देवताओं की पूजा करने लगे। क्या किसी ने परमेश्वर से प्यार किया था? हां, कुछ अभी भी श्रद्धालु सच्चे भक्त थे।

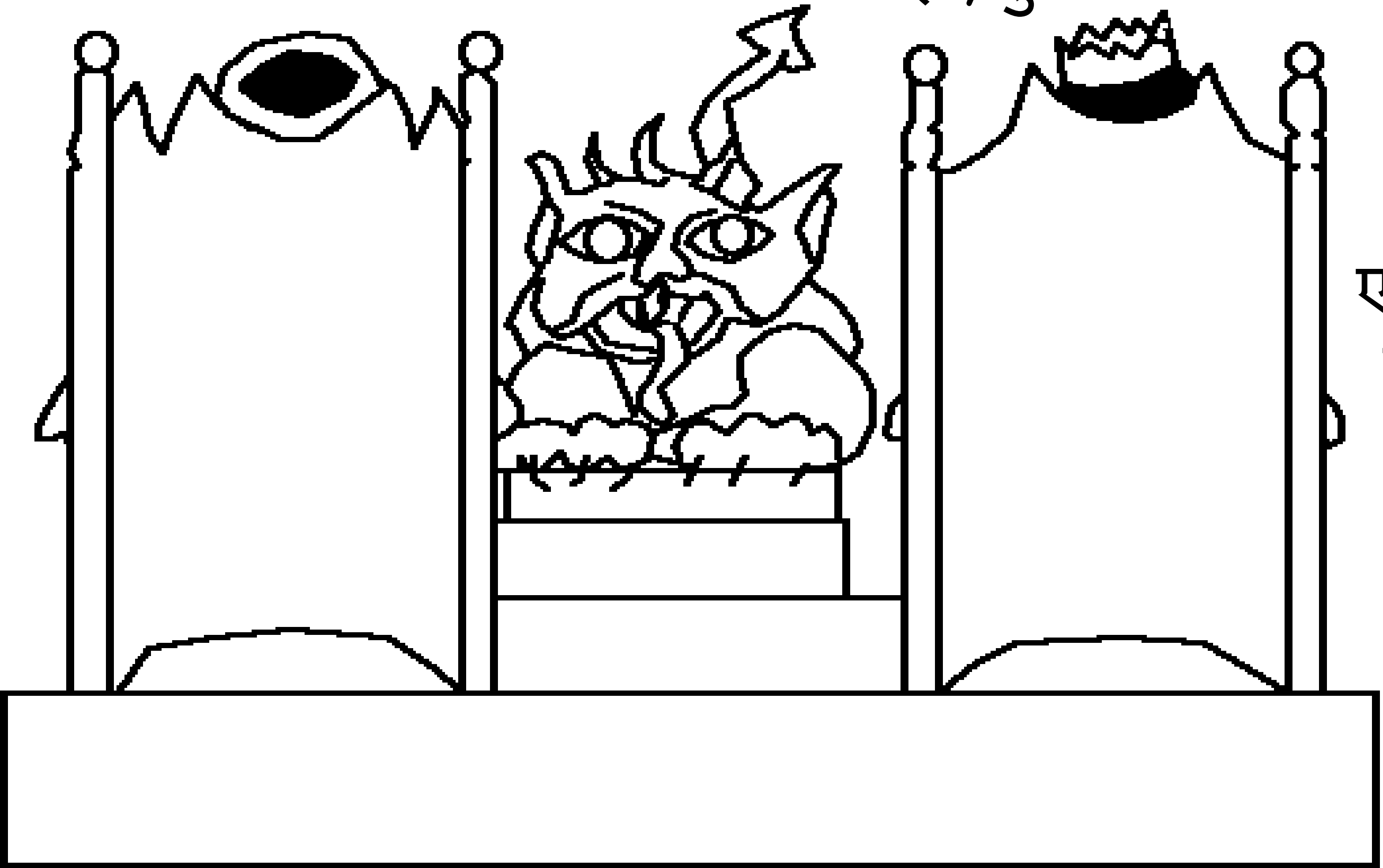

एक दिन उनमें से एक के साथ परमेश्वर ने बातें किया जिसका नाम एलिय्याह था।

एलिय्याह ने दुष्ट राजा अहाब को यह बताया, इस्राएल का जीवित यहोवा यों कहता है, "कि मेरे वचनों के अनुसार इन वर्षों में न बारिश होगी और न वहाँ ओस" इसका मतलब अकाल पड़ेगा। परमेश्वर उनकी प्रजा इस्राएल को उसकी दुष्टता के अनुसार चलने नहीं देगा।

राजा को चेतावनी
देने के बाद,
परमेश्वर ने
एलिय्याह को
देश के एकांत जगह पर भेजा। वहाँ एक नाले के किनारे,
एलिय्याह इंतजार करता रहा। परमेश्वर ने उसे खिलाने के लिए
कौवों को भेजा। वे, सुबह और शाम, रोटी और मांस लाया
करते थे। और एलिय्याह उस नाले से पानी पिया करता था।

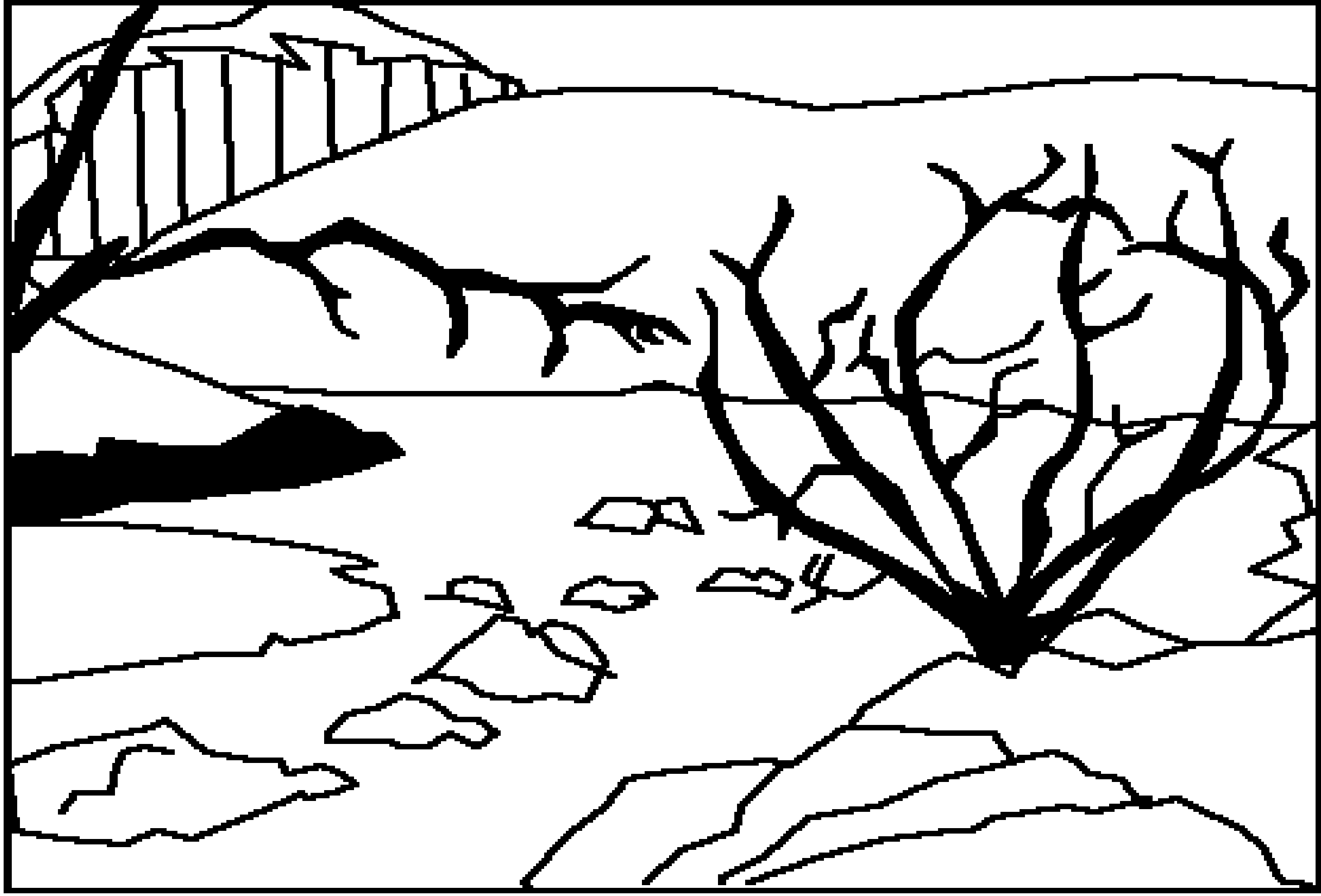

देश में बारिश नहीं होने के कारण, जल्द ही नाला सूख गया। परमेश्वर का वचन सच हो रहा था। पूरे देश में पानी की कमी थी। फसलें पैदा नहीं हुई। लोग बहुत भूखे थे। शायद एलिय्याह भी सोच में था की अब उसका क्या होगा क्योंकि नाले का पानी सुख गया था।

परमेश्वर ने एलिय्याह से कहा, "उठ, सारपत नगर को चला जा, और वहाँ ही रह। देखो, मैंने तुम्हारे लिए एक विधवा को आज्ञा दी है कि वह तुम्हारी देखा भाल करे।" परमेश्वर उसके दास की जरूरतों को जानता था।

लेकिन, प्रदान करने का यह एक अजीब तरीका था।

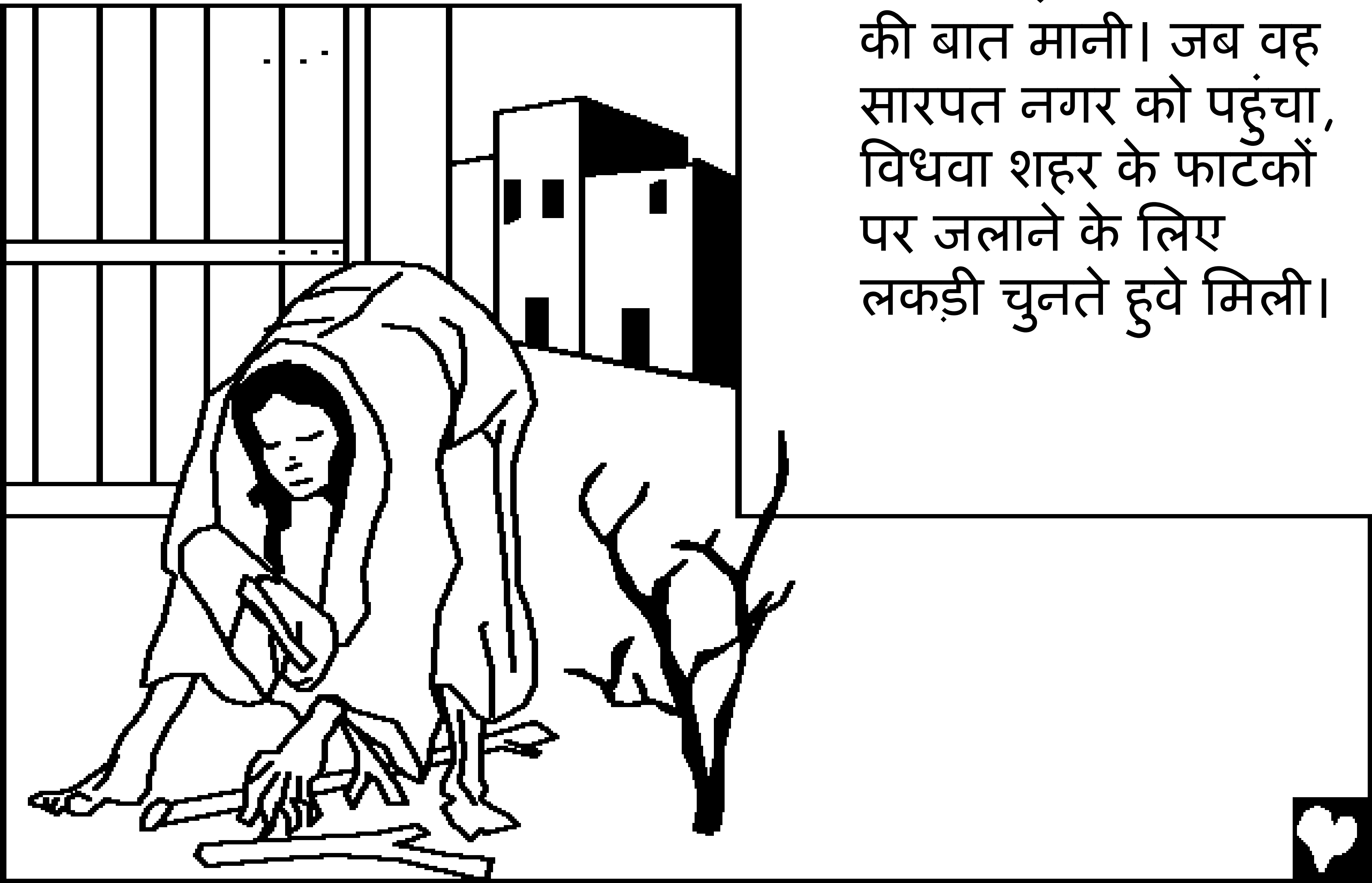

विनम्रतापूर्वक,
एलिय्याह ने परमेश्वर
की बात मानी। जब वह
सारपत नगर को पहुंचा,
विधवा शहर के फाटकों
पर जलाने के लिए
लकड़ी चुनते हुवे मिली।

"कृपया मेरे लिए एक कप पानी लाओ," एलिय्याह ने महिला से माँगा। "कृपया मेरे लिए रोटी का एक निवाला भी लाना।" विधवा ने जवाब दिया, "मेरे पास रोटी नहीं है।" "एक जार में थोड़ा सा तेल और घड़े में एक मुठ्ठी आटा है।"

अफसोस से, महिला ने भविष्यद्वक्ता को बताया, जब यह समाप्त हो जायेगा तब मै और मेरा पुत्र भूख से मरेंगे।

एलिय्याह ने कहा, "मत डर, पहले मेरे लिए एक छोटा सा रोटी बना, और फिर, तू अपने और अपने बेटे के लिए कुछ करना। जब तक यहोवा पृथ्वी पर वर्षा न भेजे" तब तक न तेरा आटा और न ही तेल खत्म होगा। ऐसा करने के लिए परमेश्वर को एक चमत्कार करना होगा। और उसने वह किया! महिला और उसके बेटे ने बहुत दिनों तक खाते रहे और न अभी तक आटा ख़त्म हुआ और, न ही तेल सूखा।

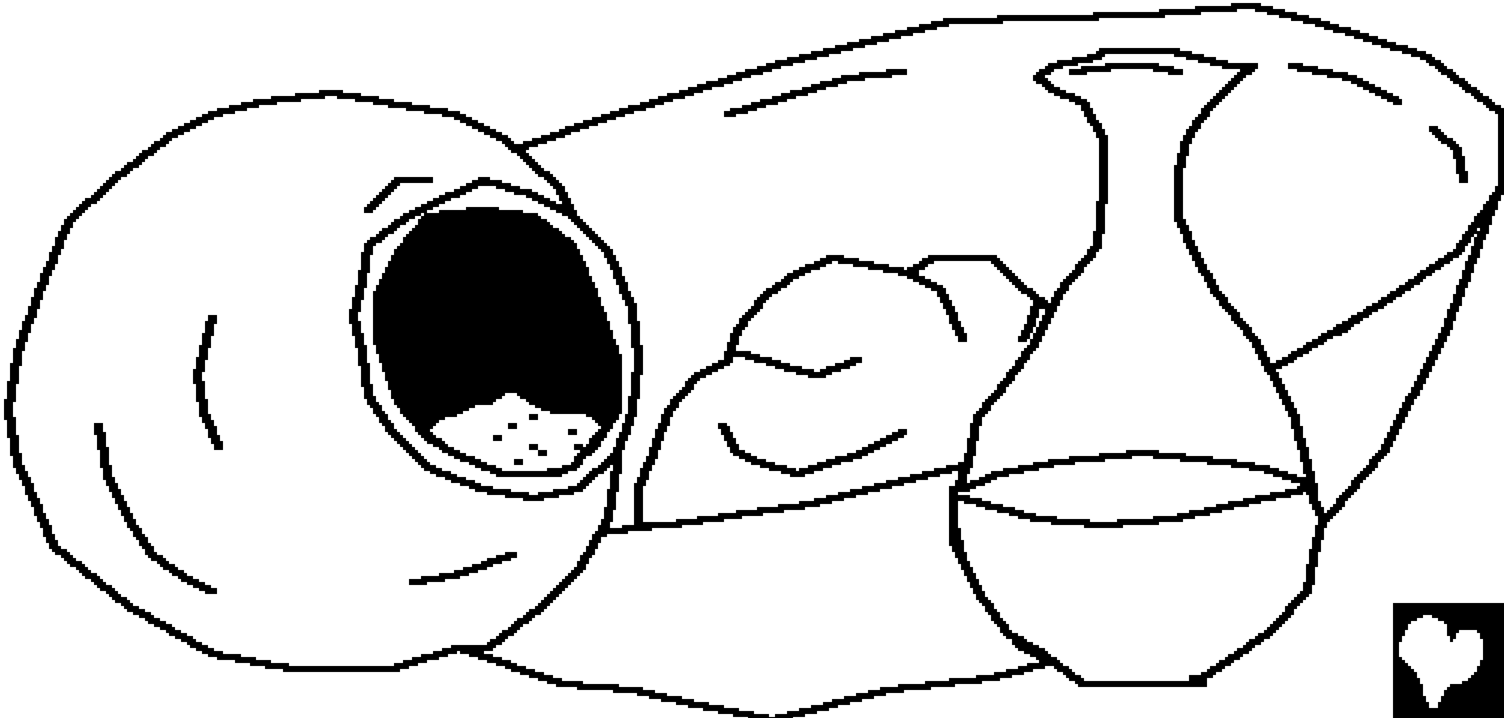

एलिय्याह उनके साथ रहता था। एक दिन एक दुःखद घटना घटी। विधवा के बेटे की मौत हो गयी। एलिय्याह ऊपरी कमरे में लड़के के शव को ले गया। उसने यहोवा की दोहाई दी "हे मेरे परमेश्वर यहोवा मैं प्रार्थना करता हूँ, इस बच्चे की आत्मा उसके पास वापस आ जाए।" यह, क्या ही एक असंभव प्रार्थना थी!

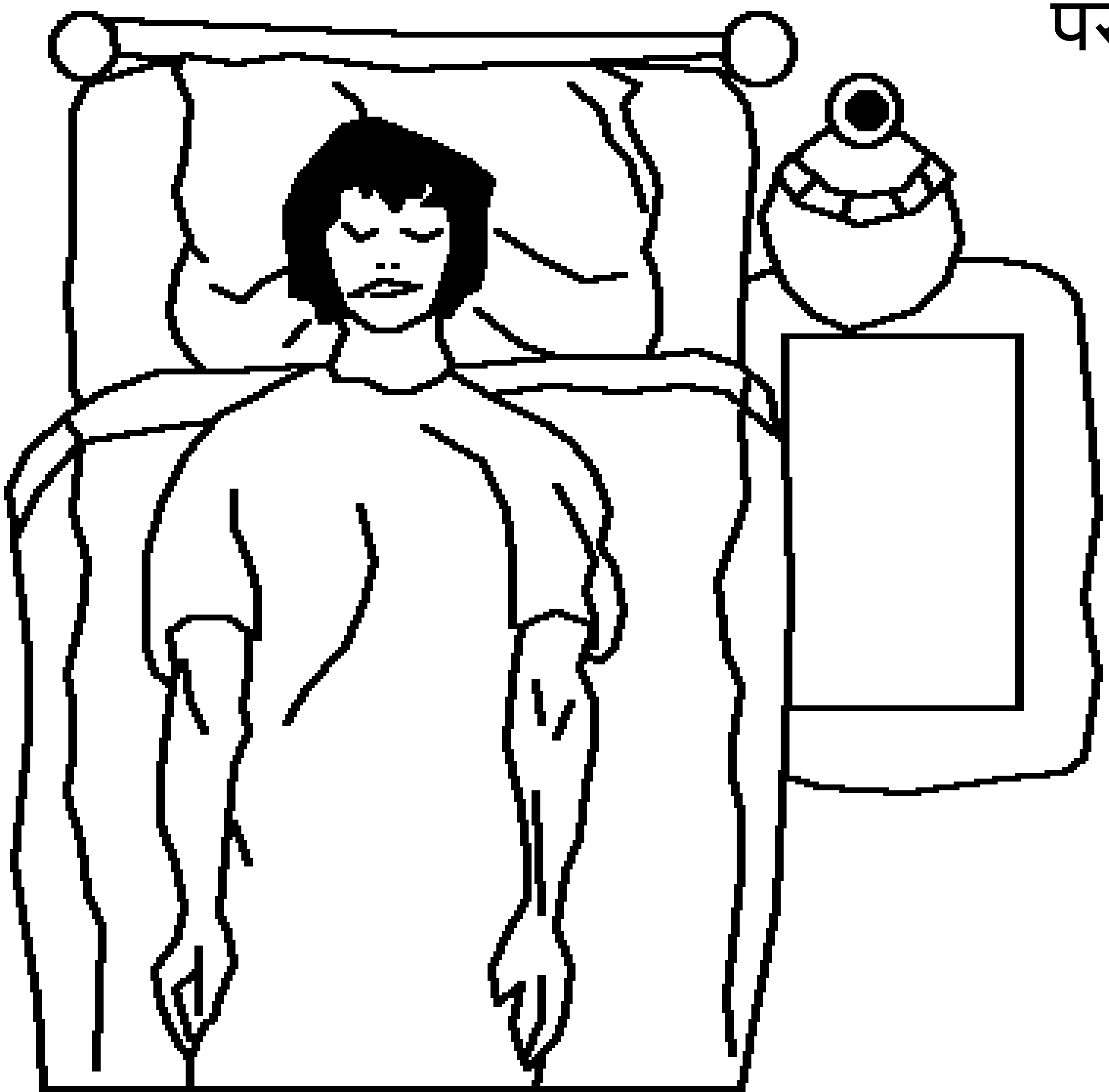

यहोवा ने एलिय्याह की प्रार्थना सुन ली और बच्चे की आत्मा को वापस उसके पास भेजा, और वह पुनर्जीवित हो गया। एलिय्याह ने बच्चे को लिया और उसकी मां को सौंप दिया। अब मैंने जान लिया है कि "जो तुम्हारे मुंह से प्रभु का वचन निकलता है वह सत्य है।"

तीन साल बाद, परमेश्वर ने, एलिय्याह को वापस राजा के पास भेजा, "मैं अब पृथ्वी पर वर्षा भेजूंगा।"

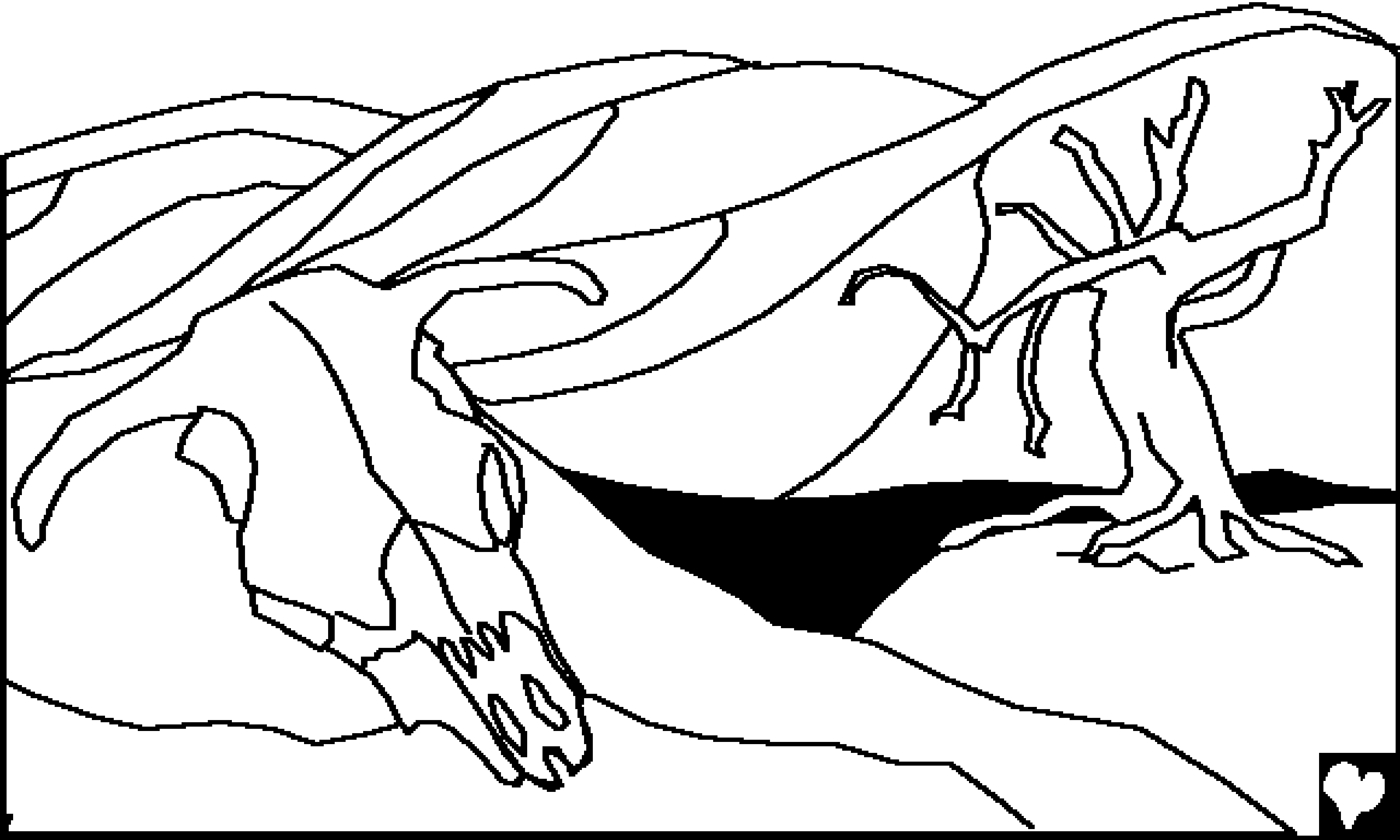

अहाब के पास जाऊँ? उसकी पत्नी ईज़ेबेल ने पहले ही परमेश्वर के एक सौ भविष्यद्वक्तायों की हत्या की थी। एलिय्याह ने कोई बहस नहीं किया। वह राजा अहाब के पास गया।

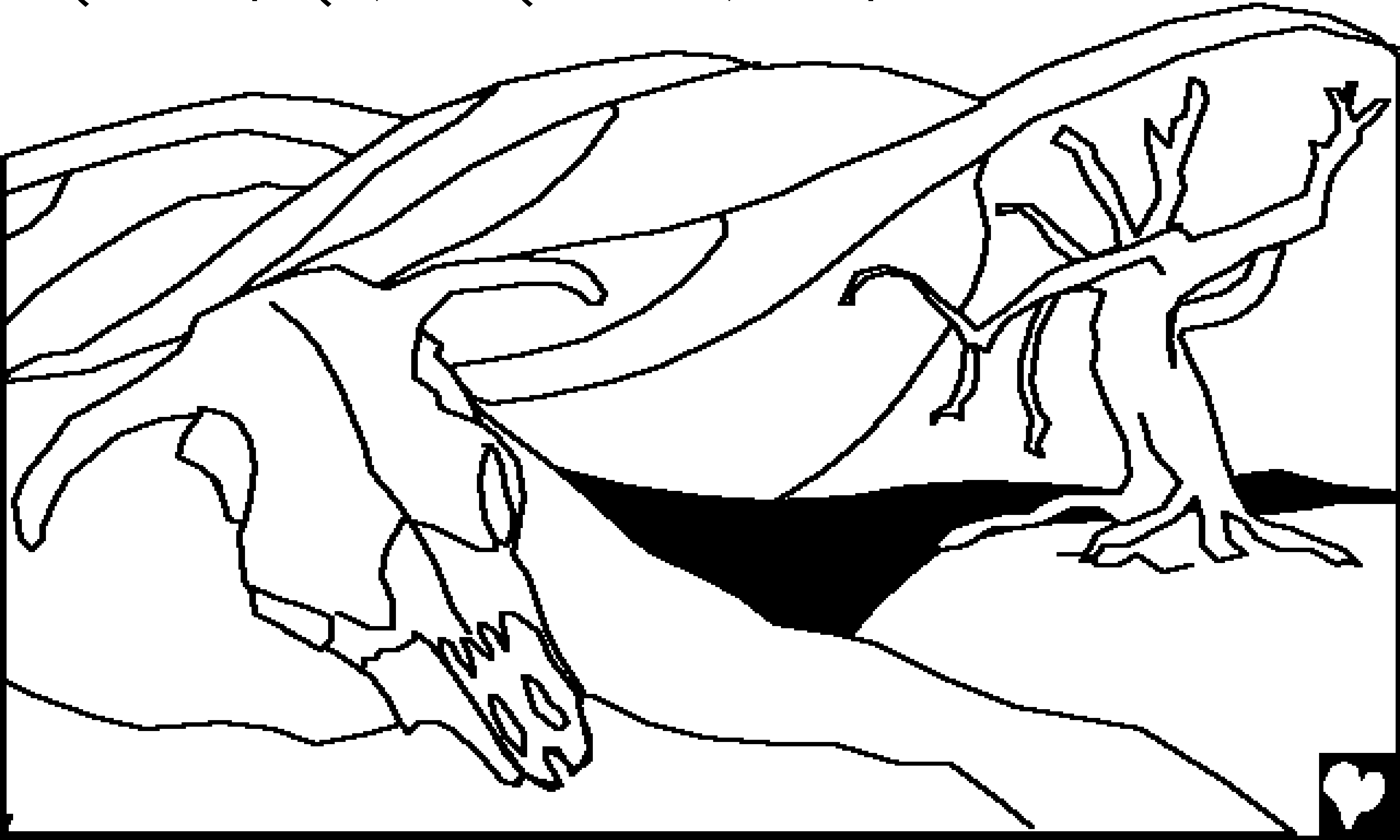

जब वे दोनों मिले तो, एलिय्याह ने अहाब को चुनौती दी कि सारे इस्राएल में से उन 850 झूठे भविष्यद्वक्तायों को इकट्ठा कर। कर्मेल नामक पर्वत पर, एलिय्याह ने लोगों से बातें की। "यदि यहोवा परमेश्वर है, तो उसका अनुसरण करो।"

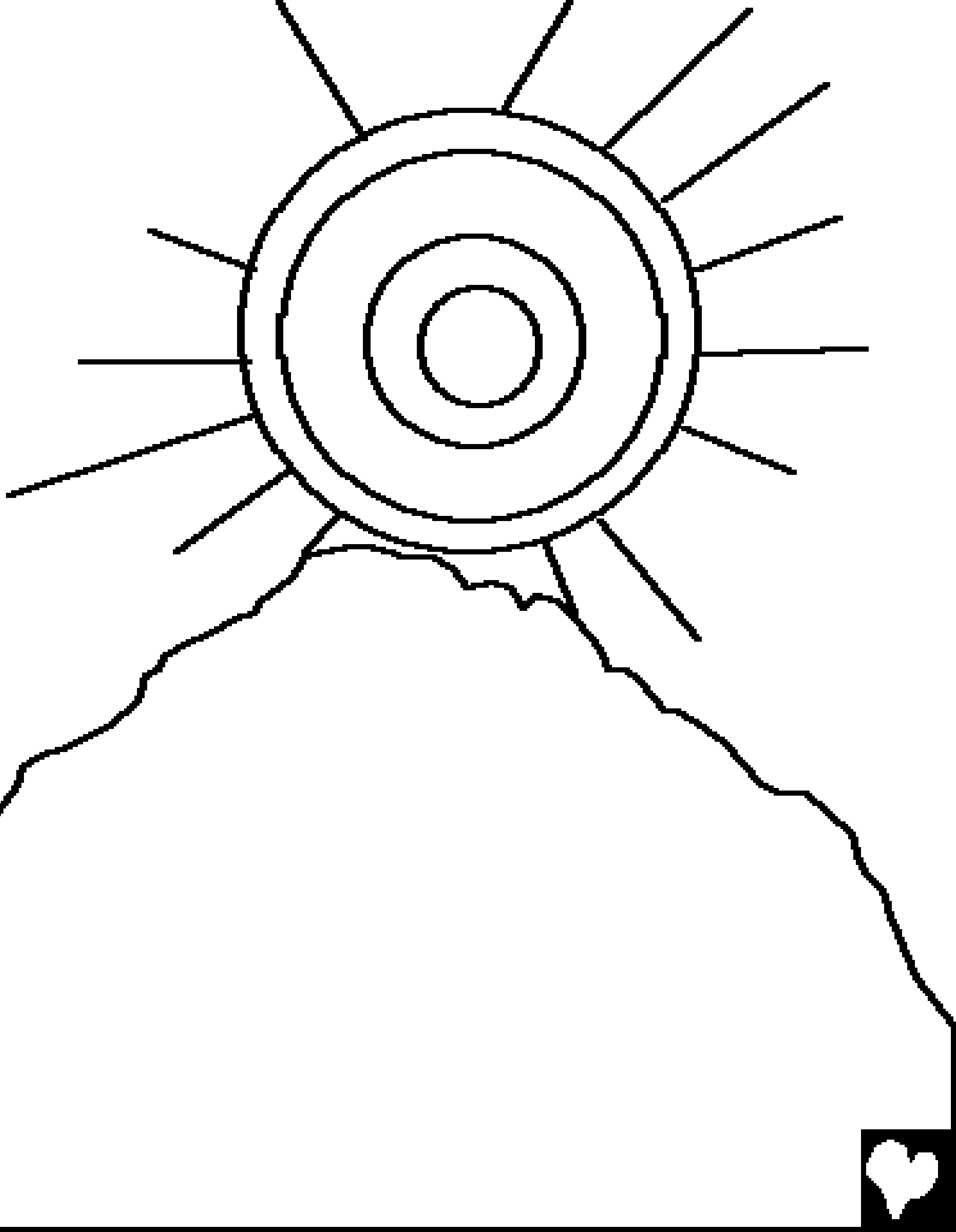

एलिय्याह ने दो बैल बलिदान के लिए तैयार किया था। लेकिन उन्हें किसी आग से नहीं जलाना था। उसने कहा "तुम अपने देवताओं के नाम को पुकारो, और मैं परमेश्वर के नाम को पुकारूँगा।" "और जो परमेश्वर आग से जवाब देगा, वही परमेश्वर होगा।" यह सही बातें कर रहा है,"लोगों ने जवाब दिया"।

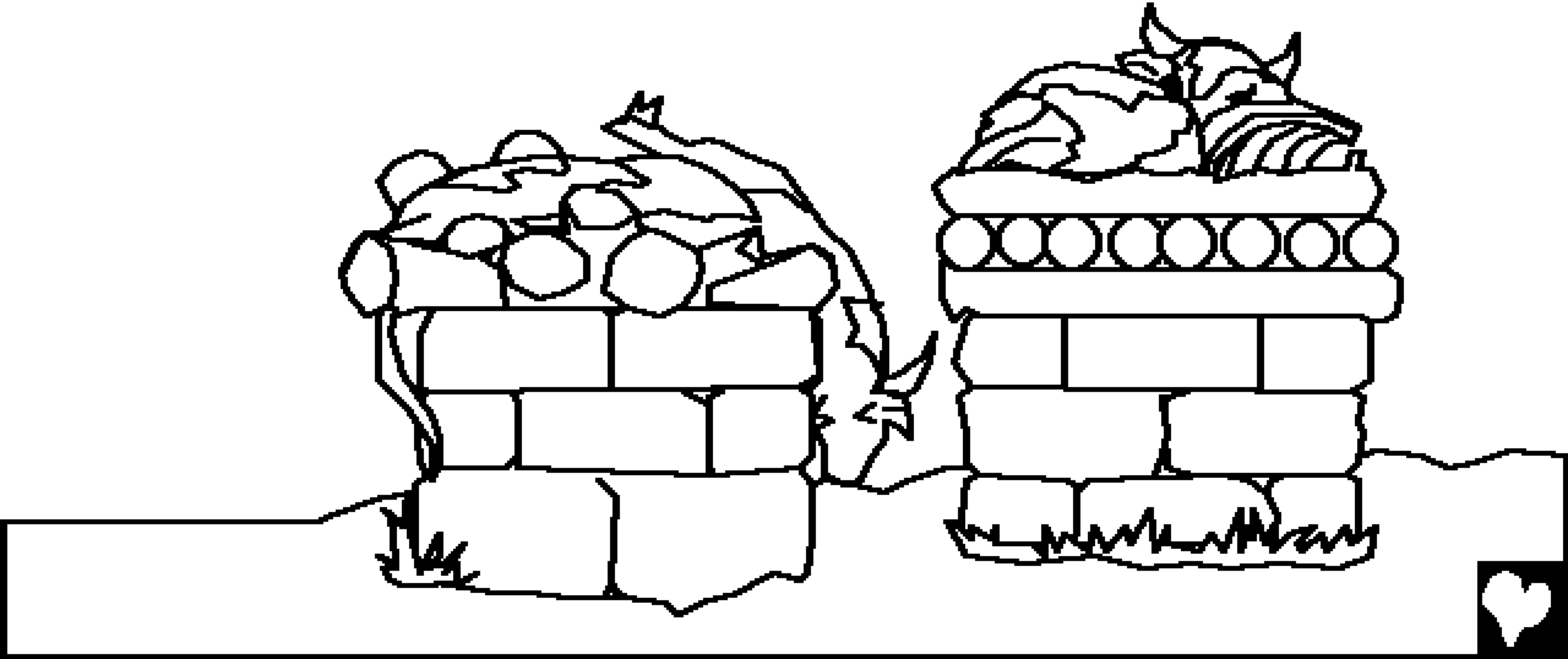

झूठे भविष्यद्वक्तायों ने अपने झूठे देवताओं को सुबह से शाम तक पुकारते रहे। वे उछले, नृत्य किये और वे लहूलुहान होने तक चाकू से अपने आप को चोट पहुँचाते रहे। लेकिन कोई आग नहीं आयी।

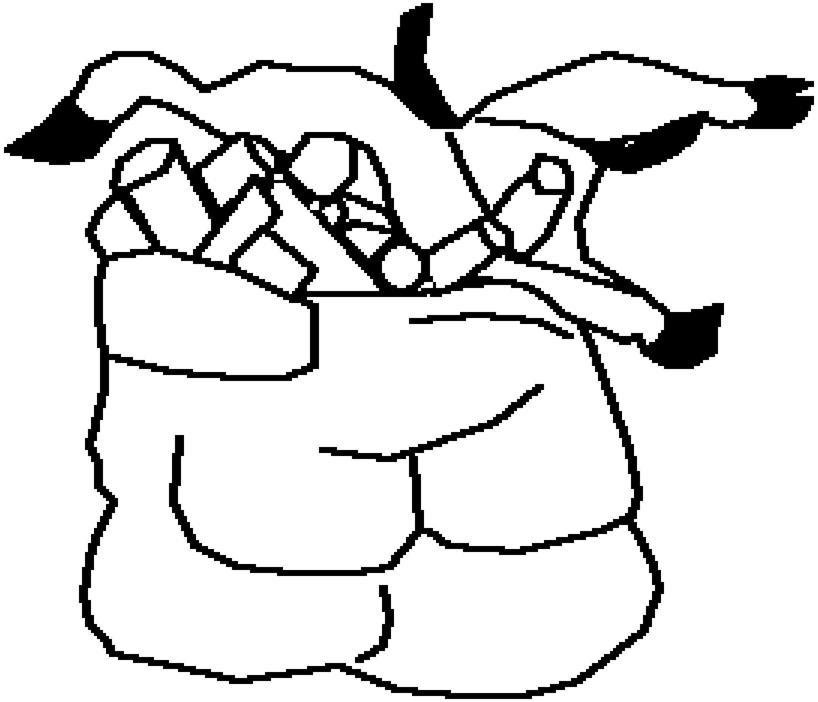

फिर एलिय्याह ने पानी से लकड़ी और बलिदान को पूरी तरह से भीगा दिया, और तब प्रार्थना किया। "हे परमेश्वर यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन ताकि ये लोग जाने की तू ही परमेश्वर यहोवा हैं" ... "तब यहोवा की आग गिरी" वह बैल और लकड़ी को जला डाला। वह पत्थर की वेदी को भी जला दिया।

जब लोगों ने यह देखा, तब वे चिल्लाये, "यह प्रभु, ही परमेश्वर यहोवा है!" तब एलिय्याह ने कहा, "बाल के सभी भविष्यद्वक्तायों को पकड़ लो। उनमें से कोई एक भी भागने न पाये!"

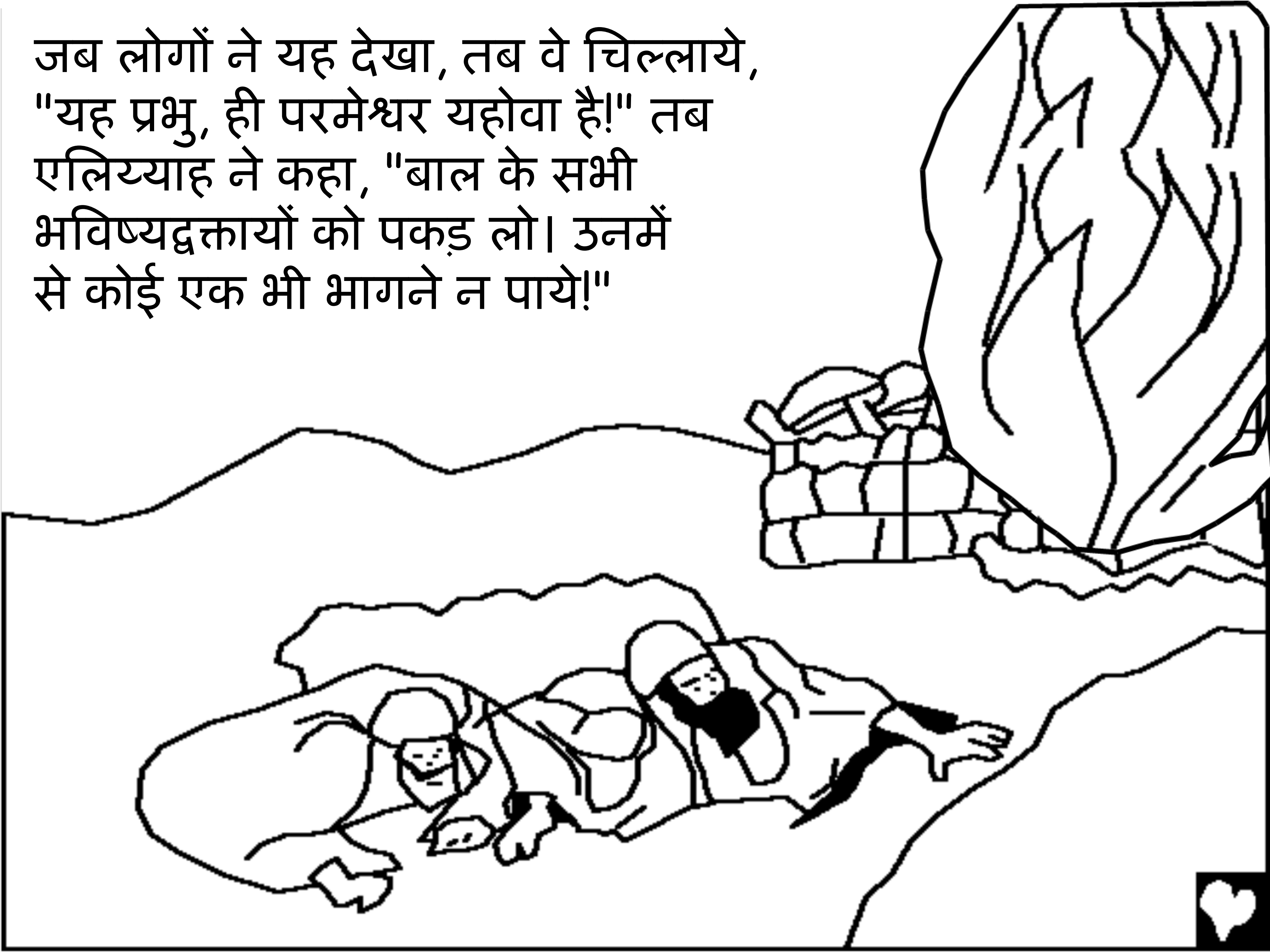

एलिय्याह ने वही किया जो राजा अहाब को लंबे समय पहले करना चाहिए था। उसने कहा कि इन झूठे भविष्यद्वक्ताओं को मार डालो।

तब परमेश्वर के एक सेवक ने अहाब को बताया की बारिश आने पर है। जल्द ही एक छोटा सा बादल दिखाई दिया। घातक सूखे की लम्बी अवधि, तीन साल बाद? क्या बारिश होगी?

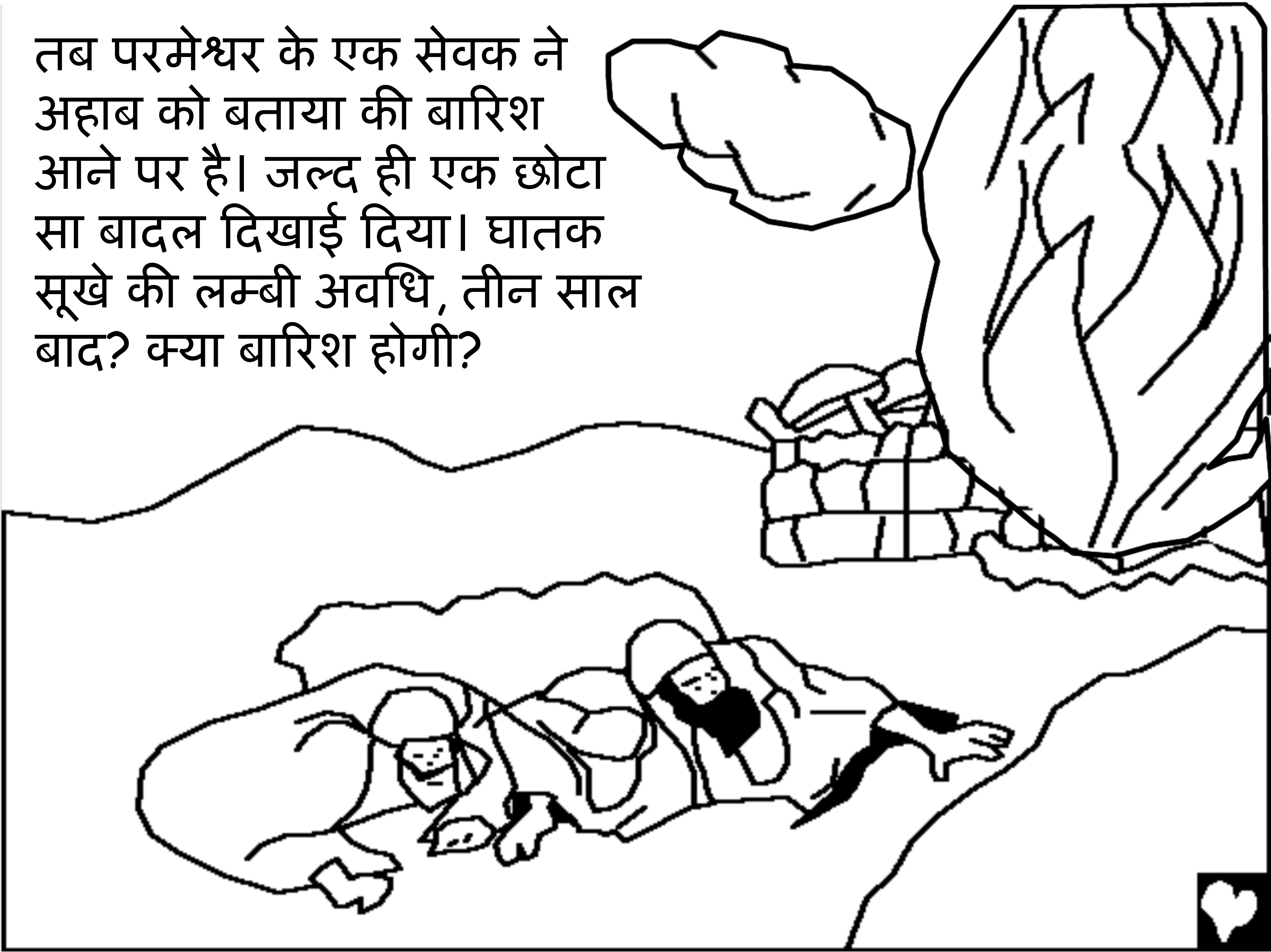

थोड़ी देर में ही, आकाश, बादल और हवा के साथ काला हो गया। और एक बहुत भारी बारिश हुई। परमेश्वर ने बारिश भेजी थी। परमेश्वर ने लोगों को दिखाया कि एलिय्याह उन्हें सच बता रहा था। परमेश्वर यह दिखाया की केवल वही सच्चा परमेश्वर है।

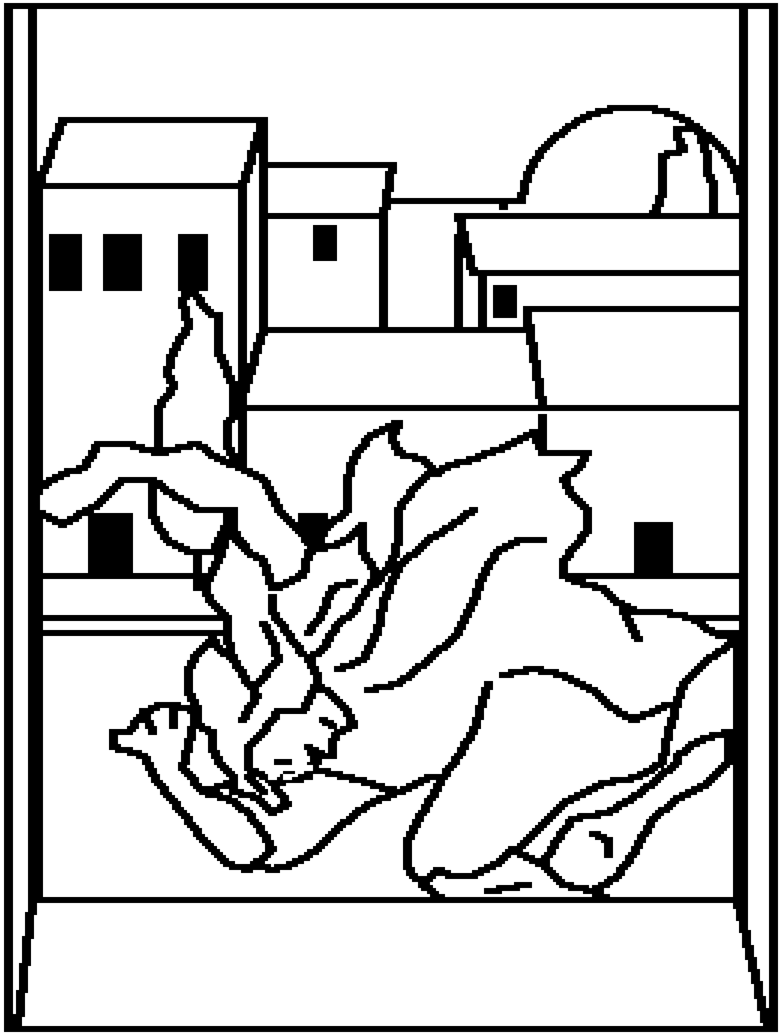

क्या आप सोचते हैं कि राजा अहाब परमेश्वर और उसके दास एलिय्याह को सम्मान दिया होगा? नहीं! वास्तव में नहीं, ईजेबेल, एलिय्याह को मारने की कोशिश की। लेकिन वह भाग गया। अंत में, अहाब की लड़ाई में मृत्यु हो गयी और सेवकों ने महल के एक ऊँचे दीवार पर से ईजेबेल को धक्का दे दिया। वह नीचे एक पत्थर पर दुर्घटनाग्रस्त होकर मर गयी।

एलिय्याह का क्या हुआ? एक दिन परमेश्वर ने आग के घोड़ों के साथ एक आग के रथ को भेजा; और एलिय्याह, अग्नि पुरुष, परमेश्वर का जन, एक बवंडर में होकर ऊपर स्वर्ग में चला गया।

अग्नि पुरुष

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

1 राजा 17-19, 2 राजा 2

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16